

पौलुस ह रोम के जेल म रहिसि, जब ओह ए दूसरा चिट्ठी तीमुथियुस ला लिखिसि (1:16-17)। ओह तीमुथियुस ला नजी सलाह देय खातरि ए चिट्ठी ला लिखे हवय। ए चिट्ठी के खास बसिय “धीरज धरई” ए। पौलुस ह तीमुथियुस ला सलाह देथे अऊ उत्साहित करथे की सतावा अऊ बरिध ला सहत, ओह बसिवास म बने रहय अऊ यीसू मसीह के गवाही देवय। ओह तीमुथियुस ला उत्साहित करथे की ओह सुघर संदेस के सकिछा म मजबूत बने रहय अऊ एक गुरू अऊ परचारक के रूप म अपन काम करते रहय। पौलुस ह तीमुथियुस ला सलाह देथे की ओह मूरखता अऊ बेकार के बातमन ले दूरहि रहय काबरकी बातमन ले सुनइयामन ला कुछू फायदा नई होवय, बल्की बातमन ओमन ला नास कर देथे। पौलुस ह तीमुथियुस ला उदाहरन के रूप म अपन खुद के बसिवास, सहनशीलता, मया, धीरज अऊ सतावा के सुरता कराथे। ए चिट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

जोहार 1:1-2

बड़ई अऊ सकिछा 1:3-2:13

सलाह अऊ चेतनी 2:14-4:5

पौलुस के खुद के स्थिति 4:6-18

सार बात 4:19-22

1 में पौलुस, ओ जनिगी के वायदा के मुताबिक, जऊन ह मसीह यीसू म हवय, परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के प्रेरति अंव।

2 ए चिट्ठी मोर मयारू बेटा तीमुथियुस ला लिखत हंव। परमेसर ददा अऊ हमर परभू मसीह यीसू के तरफ ले तोला अनुग्रह, दया अऊ सांति मिलत रहय।

धनबाद अऊ उत्साह

3 मेंह हमेसा तोला रात अऊ दिन अपन पराथना म सुरता करत, परमेसर के धनबाद करथंव, जेकर सेवा मेंह साफ मन ले करथंव जइसने की मोर पुरखामन घलो करत रहिनि।

4 तोर आंखी के आंसू ला सुरता करके, मेंह तोला देखे के ईछा करथंव, ताकि मेंह आनंद ले भर जावंव। 5 मेंह तोर नसिकपट बसिवास ला सुरता करथंव, जऊन ह की पहिली तोर ममा दाई लोइस अऊ तोर दाई यूनीके म रहिसि, अऊ मोला भरोसा हवय की एहीच बसिवास तोर म घलो हवय। 6 एकरसेती मेंह तोला सुरता करावत हंव की परमेसर के ओ बरदान के उपयोग जादा से जादा कर, जऊन ह तोला मोर हांथ रखे के जरयि मिलि रहिसि। 7 काबरकी परमेसर ह हमन ला डर के आतमा नई, पर ओह सामरथ, मया अऊ संयम बरते के आतमा दे हवय।

8 एकरसेती, हमर परभू के गवाही दे बर झन लजा अऊ न मोर बर लजा, जऊन ह परभू खातरि कैदी अंव। पर परमेसर के सामरथ के दुवारा सुघर संदेस बर दुःख उठाय म मोर संग हो ले। 9 परमेसर ह हमर उद्धार करे हवय अऊ हमन ला एक पबतिर जनिगी जीये बर बलाय हवय। परमेसर ह एला हमर बने करम के कारन नई, पर ओह एला अपन उदेस्य अऊ अनुग्रह के कारन करे हवय। ओह ए अनुग्रह ला समय के सुरू होय के पहिली ले मसीह यीसू के जरयि हमन ला दे हवय, 10 पर ए अनुग्रह अब हमर उद्धार करइया मसीह यीसू के आय के दुवारा परगट होय हवय। ओह मरितू के सकृति ला नास करसि, अऊ सुघर संदेस के दुवारा अमर जनिगी दीस। 11 मेंह एही सुघर संदेस के परचारक, प्रेरति अऊ गुरू ठहरायि गे हवंव। 12 एकर कारन मेंह ए दुःख सहत हवंव। पर मेंह नई लजावंव काबरकी मेंह जानथंव की काकर ऊपर मेंह बसिवास रखे हवंव अऊ मेंह ए नसिचय जानत हंव की ओह ओ चीज के रखवारी कर सकथे, जऊन ला मेंह ओकर आय के दिन तक ओला सऊपे हवंव।

13 ओ बने बात, जऊन ला मेंह तोला सखिोय हवंव, ओला अपन जनिगी म एक नमूना के रूप म ले अऊ संगे-संग मसीह यीसू के बसिवास अऊ मया म बने रह। 14 ओ बने चीजमन के रखवारी कर, जऊन ह तोला सऊपे गे हवय। ए बने चीजमन के रखवारी

पबतर आतमा के मदद ले कर, जऊन ह की हमन म रहथि।

15तेंह जानथस की एसिया प्रदेस म जम्मो झन मोला छोड़ दे हवय, ओमन म फूगलिस अऊ हरिमुगनिस घलो हवय।

16उनेसफिरूस के परिवार ऊपर परभू दया करय, काबरकी ओह अकसर मोर मदद करे हवय अऊ ओह मोर जेल म रहे के कारन नई लजाईस। 17पर जब ओह रोम सहर म आईस, त ओह मोला तब तक खोजते रहिसि, जब तक की ओह मोला नई पा लीस। 18परभू करय की परभू के आय के दिन ओकर ऊपर परभू के दया होवय। तेंह एला बने करके जानथस की ओह इफसिस म मोर कतेक जादा मदद करसि।

2 एकरसेती, हे मोर बेटा, ओ अनुग्रह म मजबूत हो जा, जऊन ह मसीह यीसू म हवय। 2जऊन बातमन ला, मेंह तोला कतको गवाहमन के आधू म कहे हवंव, ओ बातमन ला भरोसा के लइक मनखेमन ला सऊं दे, जऊन मन आने मन ला घलो सखिये म काबिल हवय। 3मसीह यीसू के एक बने सैनिक के सही, हमर संग दुःख सहे कर। 4एक सैनिक ह सेवा करत आम आदमी के मामला म दखल नई देवय, पर ओह अपन हुकूम देवइया अधिकारी ला खुस करे चाहथे। 5ओही किसिम ले, जब एक खिलाड़ी ह खेल-कूद म भाग लेथे, त ओला तब तक इनाम नई मलिय, जब तक की ओह खेल के नियम के मुताबिक नई खेलय। 6कठोर महिनत करइया किसान ला फसल के बांटा पहिली मलिना चाही। 7जऊन बात मेंह कहत हंव, ओकर बारे म सोच-बिचार कर, काबरकी परभू ह जम्मो चीज ला समझे म तोर मदद करही।

8यीसू मसीह ला सुरता कर, जऊन ह मरे म ले जी उठसि अऊ जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रहिसि। एह मोर सुघर संदेस ए, जेकर परचार मेंह करत हंव, 9अऊ एकरे कारन मेंह दुःख उठावत हंव, इहां तक की एक अपराधी के सही मेंह जेल म हवंव। पर परमेसर के बचन ह सुतंतर हवय। 10एकरसेती, मेंह चुने

मनखेमन खातरि हर चीज ला सहत हवंव की ओमन घलो सदाकाल के महिमा के संग ओ उद्धार ला पावय, जऊन ह मसीह यीसू के जरयि मलिथे।

11ए कहावत बलिकूल सही ए:

यदि हमन ओकर संग मरथन,
त हमन ओकर संग जीयबो घलो;

12यदि हमन दुःख सहथन,

त हमन ओकर संग राज घलो करबो।

यदि हमन ओकर इनकार करथन,
त ओह घलो हमर इनकार करही;

13यदि हमन बसिवास के लइक नई रहन,

तभो ले ओह बसिवास के लइक
रहही,

काबरकी ओह अपन बात ले कभू नई
मुकरय।

परमेसर के बने सेवक

14मनखेमन ला ए बातमन के सुरता करावत रह, अऊ परमेसर के आधू म ओमन ला चेतउनी दे की ओमन कोनो बचन के बारे म झगरा झन करय, जेकर ले कोनो फायदा नई होवय, बल्की एह सुनइयामन के नास होय के कारन बनथे। 15अपन-आप ला परमेसर के गरहन करे लइक अऊ अइसन काम करइया बनाय के कोससि कर, जऊन ला लजाय के जरूरत नई होवय अऊ जऊन ह सत के बचन ला सही ढंग ले बताथे।

16अभक्ती अऊ मूर्खता के बातचीत ले दूरहिा रहे कर, काबरकी जऊन मन अइसने बातचीत म सामलि होथें, ओमन परमेसर ले अऊ दूरहिा होवत जाथें। 17ओमन के सकिछा ह सरहा घाव सही बगरत जाथे। हुमनियुस अऊ फलितुस इही मन ले अंय

18अऊ एमन सत के बचन ले दूरहिा हो गे हवय। एमन कहथिं की मरे मनखेमन के जी उठई त हो चुके हवय अऊ अइसने कहकिं, एमन कुछू मनखेमन के बसिवास ला नास कर देथें। 19पर परमेसर के पक्का नींव ह मजबूत हवय अऊ ओम ए बचन लिखाय हवय: “परभू ह अपन मनखेमन ला जानथे”

अऊ “हर ओ मनखे, जऊन ह परभू ऊपर बसिवास करथे, ओह बुरई ले दूरहिा रहय।”

20एक बड़े घर म सरिपि सोना अऊ चांदी के ही नई, पर उहां कठवा अऊ माटी के बरतन घलो रहथि, कुछू बरतन मन खास उपयोग खातरि अऊ कुछू मन मामूली उपयोग खातरि। 21यदी कोनो अपन-आप ला ए जम्मो बुरई ले दूरहिा रखही, त ओह खास काम म उपयोग होही अऊ पबतिर होही अऊ ओह अपन मालिक के काम आही अऊ कोनो भी बने काम करे बर तयार रहहि।

22तेंह जवानी के वासना ले दूरहिा रह, अऊ जऊन मन साफ मन ले परभू के नांव लेथें, ओमन संग धरमीपन, बसिवास, मया अऊ सांति के साधना म लगे रह। 23पर मूरखता अऊ अगयानता के बहस ले दूरहिा रह, काबरका तेंह जानथस, एकर ले झगरा होथे। 24परभू के सेवक ला झगरहा नई होना चाही, पर ओला हर एक के ऊपर दया करइया, सखिओ म माहिर अऊ सहनसील होना चाही। 25ओह अपन बरिधीमन ला ए आसा म नमरता ले समझावय की परमेसर ह ओमन ला मन फरिय के मऊका दहिी अऊ ओमन सच ला जानही, 26अऊ तब ओमन अपन चेत म आके, ओ सैतान के फांदा ले बचही, जऊन ह अपन ईछा पूरा करे बर ओमन ला पकड़े हवय।

आखरी दिन म अभक्ती

3 ए बात ला जान ले की संसार के आखरी दिनमन म कठनि समय आही। 2मनखेमन अपन-आप ले अऊ परईसा ले मया करइया, डींगमार, घमंडी, गाली-गलौच करइया, दाई-ददा के कहना नई मनइया, अहसान नई मनइया, अपबतिर, 3बगिर मया के, छेमा नई करइया, ननिदा करइया, असंयमी, नरिदयी, भलाई के बईरी, 4बसिवासघात करइया, उतावला, अभिमानी अऊ परमेसर म नई, पर भोग-बिलास म मन लगइया होही। 5ओमन भक्ती के भेस धरही, पर एकर सामरथ ला नई मानही। अइसने मनखेमन ले दूरहिा रहे कर।

6ओमन अइसने मनखे अंय, जऊन मन घर म कलेचुप घूसरथें अऊ ओ छिछोरी माईलोगनमन ला बस म कर लेथें, जऊन मन पाप ले दबे अऊ जम्मो किसिम के वासना के बस म हवय। 7ए माईलोगनमन हमेसा सीखत तो रहथि, पर सचचई के पहिचान कभू नई कर सकय। 8जइसने यन्नेस अऊ यम्ब्रेस, मूसा के बरिध करनि, वइसने ए मनखेमन घलो सचचई के बरिध करथें। एमन अइसने मनखे अंय, जेमन के दमाग ह खराप हो गे हवय अऊ एमन बसिवास ला छोड़ दे हवय। 9पर एमन जादा आधू नई जा सकय, काबरका जम्मो ज्ञान ओमन के मूरखता ला जान लहिी, जइसने की मूसा के बरिधीमन संग होय रहिसि।

पौलुस के तीमथियुस ला नरिदेस

10पर तेंह मोर जम्मो उपदेस, मोर चाल-चलन, मोर उदेस्य, बसिवास, धीरज, मया, सहनसीलता, 11सताय जवई अऊ मोर दुःख उठई ला जानथस। तेंह जानथस की अंताकिया, इकुनियुम अऊ लुस्तुरा सहर म, मेंह कतेक दुःख-तकलीफ सहे हवय। पर परभू ह मोला ओ जम्मो ले बचाईस। 12एह सच ए की जऊन ह मसीह यीसू म भक्ती के जनिगी जीये चाहथे, ओला सताय जाही। 13जबकी दुस्ट मनखे अऊ धोखेबाजमन धोखा देवत अऊ खुदे धोखा खावत अऊ बगिड़त जाही। 14पर तेंह जऊन बातमन ला सखिे अऊ बसिवास करे हवस, ओम मजबूत होवत जा, काबरका तेंह ओमन ला जानथस, जेमन ले तेंह ए बातमन ला सखिे हवस, 15अऊ सुरता रख की कइसने लइकापन ले, तेंह परमेसर के पबतिर बचन ला जाने हवस, जऊन ह तोला मसीह यीसू म बसिवास के दुवारा, तोला उद्धार पाय खातरि सकिछा दे सकथे। 16परमेसर के जम्मो बचन ह परमेसर के परेरना ले लिखिे गे हवय अऊ एह उपदेस देय बर, गलती म डांटे बर, सुधारे बर अऊ धरमीपन के सकिछा देय बर उपयोगी ए, 17तार्का परमेसर के जन ह सद्धि बनय

अऊ हर बने काम बर पूरा-पूरी तयार हो सकय।

4 परमेसर ला हाजरि जानके अऊ मसीह यीसू ला हाजरि जानके, जऊन ह जीयत अऊ मरे मन के नयाय करही, अऊ मसीह के परगट होय अऊ ओकर राज करे के संबंध म, मेंह तोला ए जमिमा देवत हंव: 2तेंह बचन के परचार कर; समय अऊ बेसमय तयार रहे कर। बड़ धीरज अऊ सही सकिछा के संग मनखेमन ला समझा, डांट अऊ उत्साहति कर। 3काबरका अइसने समय आही, जब मनखेमन सही सकिछा ला नई सुनहीं अऊ अपन ईछा ला पूरा करहीं। ओमन अपन बर अइसने गुरूमन ला बलाहीं, जऊन मन ओमन के ईछा के मुताबकि सकिछा दीहीं। 4ओमन सच बात ला नई सुनहीं पर कथा-कहानी म अपन मन लगाहीं। 5पर तेंह ए जम्मो बात म सचेत रहे कर; दुःख ला सहे कर, सुघर संदेस के परचार कर, अऊ परमेसर के सेवक के रूप म अपन जम्मो सेवा ला कर।

6मोर बलदान होय के बेरा आ गे हवय अऊ मोर मरे के बेरा आ गे हवय। 7मेंह अपन परभू बर बने लड़ई लड़े हवंव। मेंह अपन दऊड़ ला पूरा कर ले हवंव। मेंह परभू ऊपर बसिवास रखे हवंव। 8मोर बर धरमीपन के ओ मुकुट रखे हवय, जऊन ला धरमी नयायी परभू ह मोला नयाय के दिन दीही, अऊ सरिपि मोला ही नई, पर ओ जम्मो झन ला घलो दीही, जऊन मन मया के संग ओकर परगट होय के बाट जोहथें।

आखरी बचन

9मोर करा जल्दी आय के कोससि कर। 10काबरका देमास ह ए संसार के मया म पड़के मोला छोंड़ दे हवय अऊ ओह थसिसलुनीके सहर चले गे हवय। क्रेसकेंस ह गलातिया अऊ तीतुस ह दलमतिया चले गे हवय। 11सरिपि लूका ह मोर संग हवय। मरकुस ला लेके मोर करा आ, काबरका ओह परभू के सेवा म मोर बहुत मदद करथे।

12तुखकुस ला मेंह इफसिस सहर पठोय हवंव। 13जब तेंह आबे, त जऊन कोट ला मेंह त्रोआस म करपुस के इहां छोंड़ आय रहेंव, ओला अऊ कतिबमन ला घलो, खास करके चमड़ा के बने कतिब ला लेके आबे।

14तांबा के काम करइया सकिन्दर ह मोर बहुत नुकसान करे हवय। परभू ह ओकर करम के बदला ओला दीही। 15तेंह घलो ओकर ले सचेत रहे कर, काबरका ओह हमर संदेस के बहुत बरिध करे हवय।

16अदालत म, जब मेंह पहिली बार अपन सफई पेस करत रहेव, तब कोनो मोर संग नई दीस, जम्मो झन मोला छोंड़ दे रहिनि। अइसने होवय का परमेसर ह ए बात ला ओमन के बरिध म झन लेवय। 17पर परभू मोर मदद करसि अऊ मोला बल दीस ताका मोर दुवारा संदेस के पूरा परचार होवय अऊ जम्मो आनजातमन एला सुनंय। मेंह मरितू के मुहू ले बंचाय गे हवंव। 18परभू ह मोला जम्मो बुरई के काम ले बंचाही अऊ अपन स्वरगीय राज म मोला सही-सलामत ले जाही। ओकर महिमा जुग-जुग होवत रहय। आमीन।

आखरी जोहार

19प्रसिकलिला अऊ अक्विला ला अऊ उनेसिफुरस के घराना के मनखेमन ला मोर जोहार कहि देबे। 20इरासतुस ह कुरन्थुस सहर म रूक गीस अऊ मेंह तुफमुस ला मलितुस म छोंड़ दे हवंव, काबरका ओह बेमार हो गीस। 21जड़काला आय के पहिली, तेंह इहां आय के कोससि कर। यूबूलुस, पुदेस, लीनुस, क्लौदिया अऊ जम्मो भाईमन तोला जोहार कहत हवंव।

22परभू तोर आतमा के संग रहय। तोर ऊपर परमेसर के अनुग्रह होवत रहय।